

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2009

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. निम्न कुण्डली के लिए अशायु की गणना करें :-
जन्म : 25.08.1944
लग्न - सिंह 21:00, सूर्य - सिंह 09:36, चन्द्र - तुला 28:51,
मंगल - कन्या 05:01, बुध(व) - सिंह 29:15, गुरु(अ) - सिंह 13:00,
शुक्र - सिंह 26:02, शनि - मिथुन 14:48, राहु कर्क 03:58,
केतु - मकर 03:58
2. निम्न के कुछ योग बताएं :-
क. मध्यायु
ख. अरिष्ट भंग योग
3. किन्हीं दो के उत्तर दें :-
क. मारक ग्रह क्या हैं?
ख. मारक ग्रहों की क्रमवार सूची से क्या समझते हैं?
ग. आयु अन्तराल विभाजन से क्या समझते हैं?
4. अल्पआयु के योग बताएं। निम्न कुण्डली का विश्लेषण करते हुए बताएं कि यह अल्पायु में है या नहीं?
जन्म 25.08.1982
लग्न - वृषभ 17:56, सूर्य - सिंह 08:36, चन्द्र - वृश्चिक 01:27,
मंगल - तुला 19:46, बुध - कन्या 03:66, गुरु - तुला 11:34,
शुक्र - कर्क 20:13, शनि (व) - कन्या 25:27, राहु - मिथुन 18:37,
केतु - धनु 18:27
5. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में लिखें :-
क. क्रोदय हरण
ख. बालरिष्ट
ग. दीन-मृत्यु
घ. खर ग्रह

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

6. सत्य या असत्य बताएं :-
i) शनि के कारण जोड़ों का दर्द होता है।
ii) काल पुरुष की कुण्डली में मीन राशि पैरों को दर्शाती है।
iii) नवम भाव का तीसरा द्रष्टा दाया घुटना दर्शाता है।

- iv) चन्द्रमा बाल्यकाल का ग्रह है।
 - v) शुक्र का पित्त स्वभाव है।
 - vi) अशुभ द्रष्टाओं को पाश द्रष्टा कहते हैं।
 - vii) जल राशियाँ रोगों को सर्वाधिक अवरोधित करती हैं।
 - viii) द्वितीय भाव बायीं आखँ दिखाता है।
 - ix) गुरु यकृत को दर्शाता है।
 - X) अष्टम भाव में शुभ ग्रह लम्बी बिमारियों को दिखाते हैं।
7. तृतीय, सप्तम, अष्टम व एकादश भाव कौन से शरीर के अंग के स्वामी हैं। ये अंग किन ग्रहों के आधीन हैं।
8. कुछ योग बताएं :-
- क. आन्त्र पुच्छ रोग (एपेन्डिसाइटिस)
 - ख. माइग्रेन
 - ग. पाईल्स
 - घ. कुष्ठ रोग
9. निम्न जातक किस प्रकार के रोग से पीड़ित है व उसकी मृत्यु किस प्रकार हुई होगी? अपने ज्योतिषीय विश्लेषण में द्रष्टा का भी प्रयोग करें।
- जन्म 16.3.1974, 01:25, दशा शेष - केतु 06 व 01 मा 0 दि.
- लग्न - धनु 02:13, सूर्य - मीन 01:21, चन्द्र - धनु 01:38,
- मंगल - वृषभ 15:43, बुध - कुंभ 05:17, गुरु - कुंभ 08:12,
- शुक्र - मकर 16:39, शनि - मिथुन 04:34, राहु - धनु 00:18,
- केतु - मिथुन 00:18
10. किन्ही दो पर टिप्पणी लिखें :-
- क. रोग का समय
 - ख. अच्छे स्वास्थ्य के योग
 - ग. लम्बे समय चलने वाली बिमारियों के योग